>

Title: Introduction of the Governors (Emoluments, Allowances and Privileges) Amendment Bill, 2012.

MADAM SPEAKER: Item no.11 – Shri Sushilkumar Shinde.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SUSHILKUMAR SHINDE): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Governors (Emoluments, Allowances and Privileges) Act, 1982.

MADAM SPEAKER: The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Governors (Emoluments, Allowances and Privileges) Act, 1982."

The motion was adopted.

SHRI SUSHILKUMAR SHINDE: I introduce the Bill**.

MADAM SPEAKER: Now, we will take up 'Zero Hour'. Shri Ravneet Singh Bittu.

SHRI RAVNEET SINGH (ANANDPUR SAHIB): Madam, I want to speak from here. ...(व्यवधान) मैं मैडम से परमीशन मांग रहा हूं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: You should be back on your seat.

श्री रवनीत सिंह: मैडम, मैं आपका ध्यान पंजाब की ओर दिलाना चाहता हूं। पिछले दिनों पंजाब की पुलिस, पंजाब के पुलिस स्टेशन का जो सियासीकरण हुआ...(व्यवधान) सारे पुलिस स्टेशन एमएलए को दिए जा चुके हैं।...(व्यवधान) सबसे पहले पंजाब के जलंधर शहर में गोली चली। उसके बाद शुति कांड हुआ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया फोटो मत दिखाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह : जिस पुलिस ने पंजाब से टेरोरिज़्म को भगाया, वे पुलिस वाले भी पंजाब में अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। ...(व्यवधान) पुलिस का एक इंस्पैक्टर अपनी लड़की को सरेआम बाजार में बचाने के लिए गया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सिर्फ रवनीत सिंह जी की बात रिकार्ड में जाएगी।

...(व्यवधान) *

श्री रवनीत सिंह : जो रिवेन्यू मिनिस्टर है, होम मिनिस्टर है, उनके यूथ्स के लीडर * के लोगों ने सरेआम इंस्पैक्टर को गोली मार दी। ...(व्यवधान) उन्होंने सरेआम बाजार में गोली मार दी। आज पजाब की एमपी श्रीमती हरसिमरत कौर अपने आपको नन्ही शाह की बात बताती हैं, लड़कियों को बचाने की बात करती हैं, उन्हीं बहनों को आज सरेआम बाजारों में मारा जा रहा है।...(व्यवधान) इससे ज्यादा गलत बात कोई और नहीं हो सकती।...(व्यवधान)

**Sit down. All of you. ...(*Interruptions*) You have destroyed the entire Punjab. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप चेयर की तरफ देखकर बोलिए।

SHRI RAVNEET SINGH **Our sisters are not safe. They cannot go out of their homes without being harassed and stalked. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप चेयर की तरफ देखकर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)